

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 5, 1981 (अग्रहायण 14, 1903) № 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 5, 1981 (AGRAHAYANA 14, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिल्लासे कि यह अनग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III_खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च म्यायालामों, नियायकः और महासेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारतः सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली=11, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं० ए० 32013/3/80-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा ग्रायोग
ो स्पसंख्यक ग्रिधिस्चना दिनांक 23 जून, 1981 के ग्रनुक्रम
1980 के के० स० से० ग्रिधिकारियों की चयन सूची
प्रालित उसके ग्रेड I में नियुक्ति हेतु राष्ट्रपति द्वारा
खित ग्रिधकारियों को गृह मंत्रालय, कार्मिक ग्रीर
नक सुक्षार किमाग के का० जा० सं० एफ० 4/11/81प्रा० (1) दिनांक 25-11-1981 की शर्तों के ग्रनुसार
कोक सेवा ग्राचीण के कार्यलिय में 29-9-1981 से
मास की ग्रग्नेतर ग्रवधि के लिए ग्रत्प ग्रवधि के ग्राधार
ग्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने
लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

े नाम	चयन सूची में ऋं० सं०
2	3
. सर्वश्री	
ें जे० एस० साहनी	9
ी्० कैंम	. 84
्रिला कृष्णन	85

1	2	3
सर्वश्र	ì	
4. ए	न० के० सोनी	86
5. र्ज	ो० पी० सक्सेना	94
	Annual Control of Cont	य० रा० गांधी,
		ग्रवर सचिव (प्र शा०)
		संघ लोक सेवा स्नायोग

गृह मंत्रालय

महानिद शालय केन्द्रीय रिजर्च पुलिस बल नर्इ दिल्ली-110022, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1577/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. बिरोचन दास को 20-10-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुनित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस जरू में किनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं. अं. दो.-1607/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. अशोक कुमार को अस्थाई रूप से आगामी आदशे जारी होने तक केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-।। (डी. एस.पी./कम्पनी कमांडर) के पद एम्/दिनांक 31 अक्तूबर 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं. ओ. दो. 1586/81-स्थापना—महानिदशेक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (कुमारी) अर्चना चौधरी को 6-10-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित. नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीक तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए. के. सूरी, सहायक निद्शेक स्थापना

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 नवस्बर 1981

सं. ए-12012/1/81-प्रशासन—समन्वय निदशालय (पुलिस बेतार) के सर्वश्री एच. एस. खेरा एवं शेर सिंह, विरिष्ठ तकनीकी सहायकों को इस निदशालय में अगले आदेशों तक अस्थायी आधार पर अतिरिक्त सहायक निद्शिक के पद पर बेतन मान रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो.-40-1200/-पर तारीख 23 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाहन से पदोन्नित दी गयी है।

छत्रपति जोशी निदशक पुलिस दूर संचार

महानिद शक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक अक्तूबर 1981

सं. ई-16014(2)/1/79-कार्मिक—31 अगस्त, 1981 के अपराहन सं के. औ. ब. में प्रतिनियुक्ति की अविधि समाप्त होने और उसी तारीख को उनकी निवर्तन की आयु होने पर श्री दलजीत सिंह ने के. औ. स्. ब. यूनिट, बी. एच. ई. एल. हरिद्वार के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. इ - 32015 (2)/2/81-कार्मिक—-राष्ट्रपति, श्री दलजीत सिंह को 1 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से पुन- नियुक्ति के आधार पर के. औ. सु. ब. यूनिट, बी. एच. ई. एत. हरिद्वार का कमार्डेट नियुक्ति करते हैं।

सुरोन्द्र नाथ, महानिद्येशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-11001।, दिनांक 13 न्वम्बर 1981

सं. 11/2/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस. एम. एस. कुमार को विहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में दिनांक 12 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाहन से अगले आदेशों तक स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के एदे पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

2. श्री कुमार का मुख्यालय दंरभंगा में होगा।

सं० 11/2/80—प्रशा०—I—-राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष, दिशत तारीख से ग्रगले ग्रादेशों तक बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहके नियुक्त करते हैं:—

तं० प्रधिकारी का नाम नियुक्ति की तारी वर्ष मुख्यालय सं० 1. श्री मोहन लाल 16 फ रवरी, 1981 पूर्णियां 2. श्री ए० के० श्रीवास्तव 6 ग्रक्तूबर, 1980 छपरा

2. यह इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना कमश तारीख 3-12-1980 ग्रौर 12-3-1981 के ग्रांित संशोधन में जारी किया जाता है।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)

सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण

अपील अधिकरण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्तूबर 1981

फा. सं. 6/सी.उ.स्व.अ.अ./81(1)—श्वी एच. वी. पारदासानी ने, जो पिछले दिनों वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली, में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 1 अक्तूबर 1981 पूर्वाह्न से सहायक रिजस्ट्रार, अपील अधिकरण (सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ग नियंत्रण) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर. एन. स

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं०-प्रशा०—II/2606/81-1——वार्धक्य निवर्तन की स्रायु प्राप्प्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा-ग्रि ६२। रियों की, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तारीख के स्रपराह्न से पेंशन स्थापना को स्रन्तरित कर दिया गया:——

क∘ सं∘	नाम, रोस्टर स० सहित	ग्रेड	तारीख जिससे संगठन पेंशन स्थापना को श्रन्तरित किया गया।
1	2	3	4 5
	्रसर्वश्र <u>ी</u>	स्थायी लेखा	
1.	. वी० सुन्दरेशन ॄंपी०/5	श्रधिकारी	21-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई। (स्वैच्छिक-सेवा- निवृत्ति)
2.	्एम० एम० पोपली ॄपी०/520	—-यथोपरि	31-1-1981 रक्षा लेखा संयुक्त-नियंत्रक (निधि) मेरठ।
3.	ए० के० नन्दी ॄपी०/398	—-यथोपरि	31-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
	ँजी० एस० रोजा [पी०/313	—-यथोपरि-—़	31-1-1981 —-यथोपरि
	टी० के० सुब्रह्मनियन, [पी०/269	—यथोपरि—	31—1—1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
	_ एम० जी० साठे 'ुग्रो०/117	स्थानापन्न लेखा–ग्रधिकारी	31—1—1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
	ेसत्य नारायण बोस, ुँग्रो०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं ।	यथोपरि	31-1-1981 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
	मनीन्द्र नाथ बोस, [पी०/345	स्थायी लेखा ग्रधिकारी 🕌	31-1-1981यथापरि
	- एम० जी० मनकीकर, स्रो०/ग्रभी स्राबंटित नहीं ।	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पुणे।
	पृथ्वीराज चोपड़ा, पी०/257	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	28−2−1981 रक्षा लेखा संयुक्त–नियंत्रक (निधि) मेरठ।
	बी० एल० बवेजा, पी०/189	यथोपरिॄै	28-2-1981 रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली-22
	जी० पी० चौधरी, पी०/202	—यथोपरि—	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
. 3.	प्रार० विम्बन, पी०/83	—यथोपरि—	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
14.	 वी० एन० गंगाधरन नायर, पी०/294	—-यथोपरि - ृ	28-2-1981 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
15.	ग्रमूल्य नाथ चऋवर्ती	—यथोपरि-—ॄं _ः	28-2-1981यथोपरि
16.	पी०/96 टी० जी० श्रीनिवासन	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	28-2-1981 —यथोपरि
17.	्रेश्चो०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं ् सत्येन्द्र कुमार मित्रा —यथोपरि—		28-2-1981 —यथोपरि—

	2	3	4	5
	 सर्वश्री			
18.	नन्द लाल गोगिया,	स्थायी लेखा ग्रधिंकारी	28-2-1981	यंथोपरि
	पी०/587			
19.	कुन्दन लॉल शर्मा,	स्थानापन्न लेखा स्रधिकारी	28-2-1981	यथोपरि
	ग्रो०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं			
20	. एस० राम्,	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षि
20	. २५० राजू. स्रो०/75	CHILLIA WALL SHAPE	01 0 1001	मुद्रा
0.1	. एस० श्रीनिवासन,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	· —यथोपरि—
Z 1.	. एस <i>० श्रामियासम,</i> पी०/58	स्याया अखा श्रायकारा	3131361	
	•	>_c	04 0 4004	
22	. वी० ग्रच्युत नारायण,	यथोपरि	31-3-1981	—्यथोपरि—
	पी०/427	310		
23	. म्रार० राधाकृष्णन,	स्थानापन्न ले खा[े]ग्रंधि कारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कैमान, पु
	म्रो०/259 ~			2
24	. के० चऋवर्ती	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	रक्षा, लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पुण
	पी०/151			2 - 6 : - (: - 2 - :) 2
25	. डी० म्रार० शर्मा,	यथोपरि	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून
	पी०/539	` C		
26	. जी० एन० भाटिया,	यथोपर ि	31-3-1981	यथोपरि
	पी०/344			> C:
27	. पदम लाल खत्री,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।
	पी०/177			C
28	. चित्तारन भट्टाचार्जी,	यथोपरि	31-3-1981	यथोपरि
	पी०/147	2.0		
29	. जोगिन्दर सिंह, तलवार	यथोपरि 	31-3-1981	—-यथोपरि
	पी०/322			
30	. सुशीतल बनर्जी	यथोपरि	31-3-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
	पी०/191			
31	. पी० महादेवन	यथोपरि	31-3-1981	रक्षा लेखानियंत्रक (नौसेना) बम्बई
	पी०/297			
32.	पी० के० भट्टाचार्जी,	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-12-1980	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैंशन) इलम्हाबाद
	म्रो०/म्रभी म्राबटित नहीं,			
33.	जे० बी० सक्सेना,	यथोपरि	31-1-1981	—–यथोपरि—–
	्य्रो०/127			
34	. वी० के० मोहन राव,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-1-1981	यथोपरि
	पी <i>०</i> /81			
35.	ए० के० सरकार,	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-1-1981	—–यथोपरि—–
	ग्रो०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं			
36	. पी० सी० ग्रस्थाना,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	28-2-1981	—-यथोपरि—
	पी ् /54			
37.	. राजेन्द्र पाल	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	28-2-1981	—–यथोपरि— —
	म्रो ः /382			
38.	राम प्रकाश,	यथोपरि	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद
	म्रो०/279 -			
39	. डी० ग्रार० गोरवारा	यथोपरि	31-3-1981	—–यथोपरि—–
	म्रो०/276			

i	2	3	4	5
- -	सर्वश्री			
40.	जै० एन० माथ्र,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंगन) इलाहाबाद ।
	मी ं/4 31			
41.	भ्रो० पी० नारंग,	यथोपरि	31-3-1981	⊸–यथोपरि––
	पी ० /161			
42.	एन० एल० गुप्ता,	—यथोपरि	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर,
	पी०/363			मेरठ।
43.	बी० छी० नांगिया,	यथोपरि	28-2-1981	—-यथोपरि
	भ्रो०/345			
44.	के० एन० भ्रग्रवाल,	––यथोपरि-—	28-2-1981	—–यथोपरि
	म्रो∘/8 3		•	
45.	एस० डी० शर्मा,	स्थायी लेखा स्रधिकारी	31-3-1981	––यथोपरि−–
	पी <i>०</i> /475			
	के० पी० भ्रलबल,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंद्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर,
	भ्रो०/ग्र भी म्राबंटित नहीं			मेरठ ।
47.	एस० डी० ग्रोवर	 -यथोपरि	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
	भो∘/138			
48.	बी० एम० सेंगर,	—यथोपरि—	31-3-1981	,यथोपरि
	भ्रो ० /9			
49.	डी० डी० हांडा,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	-—यथोपरि-—
	पी०/349			
50.	एम० एल० वर्मा,	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	—-यथोपरि—-
	म्रो०/15			
51.	एन० वी० फड़के,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-4-1981	यथोपरि ⁻
	पी०/148	- > 6		
52.	एस० एन० डन्डोना,	—यथोपरि-	30-4-1981	य थोपरि
	पी॰/199	- > 0		
53.	एस० वेंकटारामन, पी०/59	यथोपरि,	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान,
= 1	वा <i>्। उम्र</i> बी० वी० बोर्गावकर	यथोपरि	30-4-1981	पुणे । स्थानिक
) 44.	भी o/464		30-4-1981	यथोपरि
5.5	एन० राम कुष्णन	यथोपरि	201.1001	रक्षा लेखा नियंत्रक, (श्रफसर) पुणे ।
, ,,	पी॰/159		30~4~1981	रका लखा नियन्नक, (अफसर) पुण ।
56	पी० ऐ० परांजपी,	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	30-4-1981	यथोपरि
, 0.	श्रो०/श्रभी श्राबंटित नहीं ।	रमापापपापामा आजा आजापापापा	30-4-1961	——44141 (——
5 7 .	जे० एस० भ्रग्ते,	—यथोपरि	30-4-1981	यथोपरि
	मो०/276	411115	30 4 1361	-44141 (
58.	जी० कल्याणा सुन्दरमः	यथोपरि	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) दक्षिण,
, ,	भ्रो॰/31	71111	30 4 1361	पद्रास ।
59.	पी० बी० प्रभाकरन नायर,	यथोपरि	30-4-1981	यथोपरि
	ग्रो०/ग्रमी ग्राबंदित नहीं।	, , , , , ,	00 (1001	411111
60.	एस० मलयप्पनः	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
•	पी॰/82		00 1 1001	रसार अच्छा राजसान, बाबाना कामान, उन्हर्ग
61.	एम० गणेशन	यथोपरि	30-4-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
	पी॰/149		1 1001	The state of the s
62.	बी० एस० शन,	स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा संयुक्त नियंक्षक (निधि)
	भो०/भभी भ्राबंटिस नहीं,		J. 1 1001	मेरठ।

	2	3	4	5
 स	 विश्री			
63. Q	एस० पी० नायर, गि०/45	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्नक (निश्चि) मेरठ।
64. ए	स॰ डब्स्यू० द्यगाशे, गि०/ग्रभी श्राबंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी 📱	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे।
35. ए	म० एल० मुखर्जी, गि०/510	स्थायी लेखा ग्रधिकारी ै	30-4-1981	रका लेखा नियंत्रक, पटमा।
66. d	ग्राव्यात्र ी० गी० पाल, ीि0/193	स्थायी लेखा अधिकारी,	30-4-1981	यथोपरि
37. म	त्येन्द्र नाथ मुखर्जी,	—-यथोपरि	30-4-1981	लेखा नियंतक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
68. मृ	ि०/278 ह्युंजय मुखर्जी, गे०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं ।	स्थानापन्न लेखा श्रद्धिकारी	31-5-1981	––यथोपरि−¦
39. ए	स० बी० कुलकर्णी, १८/103	स्थायी लेखा श्रधिकारी ^{]}}}	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे।
70. के	त्र्वोकटारामन तेर्वोकटारामन तेर्वे	—यथोपरि	31-5-1981	—यथोपरि—
71. ए	(स० श्रदणाचलम, १०/420	—यथोपरि— -	31-5-1981	यथोपरि <u>"</u>
72. जे	ार्य ⊈20 ॉ० एन० बेदी, ो०/528	यथोपरि	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक) उक्त मेरठ।
73. प्र	ार० के० कपूर, गे०/95	स्थानापन्न लेखा अधिकारी,	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (धन्य रैंक) उत्तः मेरठ। 🎇
74. ग्र	।।र० के० रामानाथन, ो०/196	स्थायी ले खा श्र धिकारी <u></u>]	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास ≀
75. व	. / 190 संगोपाल चटर्जी, गे०/169	स्थायी लेखा श्रधिकारी 🖟	31-5-1981	लेखा निर्यंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकसा।
76. ए	स० राम कृष्णन, १०/61	यथोप रि	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षि मद्रास ।
77. जे	े एन० राय, गे०/ग्रभी म्राबंटित नहीं ।	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैंशन) इलाहाझा
/8. Ľ	सर्० रामा राव, १०/201	स्थायी लेखा श्रधिकारीः	30-4-1981	—-मथोपरि—-
79. जे	ि भार० बाली, 1ै०/364	—-यथोपरि-	30-4-1981	—यथोपरि—
30. E	ी०वी० राम शास्त्री, गै०/186	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-5-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद
81. Ē	ी० ['] एस० स्वामीनाथन, ी०/211	—-यघोपरि	30-6-1981	—-यंथोपरि⊸
82. र	मेर्ण (संह, <u>"</u> गि०/502	—-यथोपरि	30-6-1981	यथोपरि
83. ह	ीरा लाल बाजपेयी,∦ ी०/38	—यथोपरि— <u> </u>	30-6-1981	यथोपरि
प	,न० सी० फड़के, ी०/361	—-ययोपरि	30-6-1981	, , , , ,
85. ए व	्म० जे० भ्रनकुले, ∮ गि०/217	-–यथोपरि - –	30-6-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

	2	3	4	5
86.	जे० एन० बी० नरसिम्हारात्र, पी०/550	यथोपरि <u>-</u>	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून
87.	गोबिन्द लाल मृ ख र्जी, पी०/285	यथोपरि	30-6-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
88.	वी॰ गोपाल कृष्णामूर्ति, पी॰/46	यथोपरि	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास ।
89.	म्रजीत राम मेहरा, पी०/530	य थो परि	30-6-1981	यथोपरि
90.	एस० रंगाराजन, पी०/91	य थोपरि	30-6-1981	—∽यथोपरि− —
91.	एन० वी० श्रर्धनारी, पी०/319	––यथोपरि– –	30-6-1981	—–यथीपरि—–
92.	के० बी० नय्यर, पी०/178	यथोपरि	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंद्रक (नौ सेना) बम्बई ।
93.	एस० जी० कृष्णामाचारी, पी०/110	स्थायी लेखा घ्रधिकारी	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंक्षक (नौ सेना) बम्बई ।
94.	ए० सी० दत्ता, श्रो०/प्रभी म्राबंटिस नहीं ।	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंक्षक पश्चिमी कमान मेरठ।
95.	जे० एस० कोचर, ग्रो०/ग्रभी श्राबंटित नहीं ।	यथोपरि <i></i> -	31-1-1981	——यथोपरि-—
96.	बलवन्त सिंह भाहूजा, पी०/48	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-1-1981	—-यथोपरि
97.	सोहन लाल कपूर, पी॰/359	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ
98.	के० एल० कालरा, ग्रो०/ग्रभी ग्रावटित नहीं ।	स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी	28-2-1981	यथोपरि - -
99.	राम रंग बन्ना, पी०/314	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1981	यथोपरि
100.	ष्याम लाल भल्ला, [पी०/243	यथोपरि ्र	30-6-1981	– <i></i> यथोपरि
101.	एन० एम० महाजन,∤ पी०/354	यथोपरि	30-6-1981	यथोपरि
102.	एस० एस० शर्मा, पी०/354ए	—यथोपरि—-	30-6-1981	यथोपरि

रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्मलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु अधिसूचित करते हुए खेद प्रकट करते हैं :---

कं° सं°	नाम रोस्टरमं० सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	विभाग के संख्या- बल से हटने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	. 5	6 .
1. 5	स र्वश्री जे० श्रार ० मृद गिल, ष्रो०/392	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	27-11-80	28-11-80 (पूर्वाह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक) उत्तर, मेरठ ।
,	सी० ग्रार० सदागोपन घो०/ग्रभी ग्राबंटित नहीं ।	−–यथोपरि	15-1-81	16-1-81 (पूर्वाह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे ।
	के० एल० शर्मा, ग्रो०/327	यथोपरि 	27-7-81	2 7-7-8 1 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।

ए० के० घोष,

रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (परियोजना)

रक्षा मंत्रालय

षाईनेन्य फैक्टरी बोई अधिमुचना

कलकता-- 700069, दिनांक 13 नवस्वर 1981

सं ० 11/81/ए/एम—-राष्ट्रपति महोदय निस्तिनिविध सहायक जिकित्या अधिकारियों का त्यागपत स्वीकार करते हैं। तद-नुसार, उनके नाम आर्डनेन्स फैक्टरियों संघटन की नकरी से प्रत्येक के सामने दर्णायी गई तारीख से काट दिए जाते हैं:——

ऋं० ंनाम एवं पद सं०	फक्टरी के नाम जहां तैनाती थी	दिनांक	क कियस
 डा० ग्रार० जेड० वे डमुथा, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी 	श्रम्युनिशन फैक्टरी, खड़की	1-3-1980 (पूर्वाह	प्) त्यागपत्न दिया
 डा० रनेन्द्र सरकार, सहायक चिकित्सा प्रधिकारी 	गन एण्ड शेल फैक्टरी. काशीपुर,	30-6-1981 (पूर्वी	ह्न) त्यागपत्र दिया

सं o 12/81/ए/एम—-राष्ट्रपति महोदय निम्नालिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डनेन्स फैक्टरियों में प्रत्येक के सामने दर्णायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:---

ऋं० नाम एवं पद सं०		नियुक्ति स्थान	दिनांक
 डा० गोपाल भ्रथ, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी डा० एम० गंकरप्पा, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी डा० ग्रमृत लाल सिंघल, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी डा० ग्रमृण कुमार जैन, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी डा० राजीव श्रीवास्तवा, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी 		. गत कैरिज फैक्टरी, जब . भ्रार्डनेन्स फैक्टरी, कटन . श्रार्डनेन्स फैक्टरी, मुरा . ग्रार्डुनेन्स फैक्टरी, मुरा . क्लीदिंग फैक्टरी, णाह	गिं 29~7~1981 (पूर्वाह्म) दनगर 30-7-1981 (पूर्वाह्म) वनगर 1-8-1981 (पूर्वाह्म)
 डा० मानजीर हसनैन, महायक चिकित्सा अधिकारी 	•	. वेहिकल फैक्टरी, जबल	(1)

- सं. $13/81/\sqrt{\psi}$ म.—--राष्ट्रपित महोदय, ज्ञाफ्ट गजट अधिसूचना सं. $4/80/\sqrt{\psi}$ दिनांक 12-6-80 में निम्न-निस्ति संरोधन और करते हैं:—
 - तिकाल विया जाय: डा. (श्रीमती) ए. एस. जय-क्मार, सहायक चिकित्सा अधिकारी का नाम सभी प्रविष्टियों के साथ।
 - डा. एस. एस. वाऊद माहौब, सहायक चिकित्सा अधिकारी के सम्बन्ध में त्याग-पत्र म्बीकृति की तारीख दिखात हुए कालम 4 में।

बास्ते : 19-11-79

पढ़ा जाए : 11-12-79 (पूर्वाह्न)

 उत्पर (1) के अनुसार निकाल जान के फालस्वरूप कामांकों को उचित रूप संप्तः कामांकित करो।

आर. जी. देवलालीकर, अपर म्हानिदोन्नक, आर्डनेन्स फौक्टीरयां/सदस्य (कार्मिक)

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

हथकरधा विकास आयुक्त कार्यालय नर्क दिल्ली, विनांक 28 अक्तूबर 1981

सं. ए-12025(1)/5/80-व्यवस्था ।।(क)---राष्ट्र-पति, श्री भरत लाल को 7 मितंबर 1981 अपराहन सं आगामी आविशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, पानीपत में महायक निदेशक ग्रेड। (बुनाइ) के पद पर निम्नुक्त करते हैं।

पी, शंकर, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरका)

पूर्ति तथा निष्टान महानिद्येशालय नर्ड दिल्ली, दिनांक 5 नवस्वर 1981

गं. ए-31013/10/80 प्र6---राष्ट्रपति पूर्ति तथा निष-टान महानिदेशालय में स्थानापन्न उप निवेशक (निरक्षिण) (बस्त्र शाखा) भारतीय निरक्षिण मेंबा ग्रूप ''ए'' के ग्रेड ।।) श्री पी. के. बास को दिनांक 1-12-1975 से उप निदेशक निरक्षिण (वस्त्र) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कारती ह⁵।

प्रशासन अनुभाग-।)

विनांक 12 नवम्बर 1981

मं. प्र.-1/1(1924)—-राष्ट्रपति, सन्नायक निद्देशक पृति (ग्रेड ।) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ''ए'' के ग्रेड ।।।) श्री पी. गी. आर. सूर्ति को दिनांक 4-11-1981 के प्विन्त से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निद्देशक पृति (भारतीय पृति सेवा ग्रुप ''ए'' के ग्रेड ।।) के रूप में तदर्थ आभार पर रथादापन रूप में नियुक्त करते हैं)।

श्री मूर्ति ने सहायक निद्धाक पूर्ति (ग्रेड ।) का पद्भार छोड विया और विनांक 4-11-81 के पूर्वीहन से पूर्ति तथा निपटान महानिद्देशालय नर्ज दिल्ली भे उप निद्देशक पूर्ति का पदुभार सम्भाल लिया।

(प्रणासन भ्रनुभाग-6)

दिनांक, 16 नवम्बर 1981

सं० ए०-31013/7/78-प्र-6--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्निल्खित ग्रिधिकारियों को प्रत्येक प्रधिकारी के नाम के सामने लिखी तारीग्र से निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण मेवा ग्रुप "क" ग्रेड I) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :--

े कं ० सं ०	नाम	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थाई किए गए ।	स्थायी होने की तारीख	ग्रभ्युक्तियां
सर्वश् 1. गोवश	श्री र्घेन एन० गिडवानी	निरीक्षण निदेशक	निरीक्षण निदे० (भारतीय निरी० सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड I)	1-8-1976	श्री के० सी० दत्ता गुप्ता, स्थाई निरी० निदे० के स्थान पर जो 31-12-73 को सेवा निवृत्त हुए।
2. ए०	के० गुहा	—-वही <i>—-</i> (सेघा निवृत्त)	वही-	1-8-1976	श्री पी० एल० कथूरिया स्थाई निरी० निदे० के स्थान पर जो 31-874 को सेवा निवृक्त हुए)
3. पी०	सी ं मुस्तफी	वही (सेवा निवृत्त)	—–वही <i>–</i> -	1-8-1976	श्री एम० एल० रे० स्थायी निरी० निदे० के स्थान पर , जो 30-9-74 को सेवा निवृम्स हुए।
4 घनश	याम एन० गिडवानी	—-वही—- (सेवा निवृत्त)	— <u>वही</u> ——	i9-11-1976	श्री डी० टी० गुरसहानी स्थायी निरी० निदे० के स्थान पर जो० 15-11-74 को सेवा निवृत्त हुए
5. एम०	· टी० कंसे	निरीक्षण निदेशक	—-वही <i></i> -	19-11-1976	श्री ए० मिल्ला स्थायी निरी० निदे० के स्थान पर जो 11-11- 1976 को उप महानिदेशक के ग्रेड में स्थायी हुए।
					एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

(सान विभाग) [सान विभाग]

भारतीय भूवजानिक सर्वोक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 6 नवम्बर 1981

सं. 7219 बी/ए-19012 (2-बी एस)/81/19 बी.—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के बरिष्ठ तकनीकी सहायक
(भूभौतिक) श्री बी. सत्यनारायण को सहायक भूभौतिकीविद के
रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण में वेतन नियमानुसार
650-30-740-35-810-द रो. -35-880 - 40-1000द रो.-40-1200 रा. के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में,
2—356 QI/81

आगामी आदोश होने तक 17-7-81 के पूर्वीह्न से पदोन्नीत पर नियुक्त किया जा रहा है।

> वी. एस. कृष्णस्वामी महानिद्शेक

कलकत्ता-700016, विनांक 12 नवम्बर 1981

म 7222 बी/ए-32013 (एम ऑ)/80-19 ए — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधीक्षक (तकनीकी) श्री सी. आर. भट्टाचार्या को भंडार अधिकारों के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-

क्षमता में, आगामी आविश होने तक 22-10-1981 के अपराहन से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ महा निवोशक

राष्ट्रीय ग्रमिलेखागार

नई विल्ली-1, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं० ६० 11-9/80 (ए-1) स्थापना—प्रभिलेख निदेशक, भारत सरकार संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिण पर एतद्द्वारा नियमित श्रस्थायी श्राधार पर श्रागामी श्रादेशों तक निम्नलिखित नियुक्तियां करते हैं।

ऋं० नाम ग्रौर वर्तमान	नियुक्ति इस तारीख
सं० पदनाम ,	से
 श्री सैंय्यद निसंबत भ्रली जाफरी सहा० भ्रमि- लेखाधिकारी ग्रेड-1 (प्राच्य भ्रभिलेख) 	श्रमिलेखाधिकारी 17-10-81 (प्राच्य श्रमिलेख (पूर्वाह्म) श्रेणी 2 राजपत्नित)
 श्री प्रमोद मेहरा	भ्रभिलेखाधिकारी 22-10-81
सहा० ग्रिभिलेखाधिकारी	(सामान्य) (श्रेणी (पूर्वाह्न)
ग्रेड-I (सामान्य)	2 राजपन्नित)

बी० एस० कालड़ा, प्रणासन श्रधिकारी कृते श्रभिलेख निदेणक

आकाशवाणी महानिद्दोशालय

नर्ह विल्ली, विनांक 10 नथम्बर 1981

सं 2/13/61-एस दो--महानिदोशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री के. पी. मेनन, लेखाकार आकाशवाणी, काृनीकट 23-10-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, त्रिचुरापल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 3/8/64-एस दो--महानिदोशक आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री र्द. वी. एस. मूथीं, लेखाकार दूरवर्शन केन्द्र हैंदराबाद 4-11-1981 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी आकाशवाणी, विजयवाडा के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस . वी . सेषाद्री उप निवशक प्रशासन कृते महानिवशक

स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. ए. 12025/3/81-के. स. स्वा. यो. -- क्रेन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (लोधी रोड़, आयुर्वेदिक अस्पताल, नर्द िक्ली) के अधीन आयुर्वेद के विरिष्ठ चिकित्सक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप डा. आर. जे. अग्निहात्री ने 17 अगस्त, 1981 के पूर्विन से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> टी एस राव उप निद्योक प्रशासन (को स स्या यो.)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीबाबाब, विनांक 9 नवम्बर 1981

सं. ए. 19023/9/79-प्र. तृ.----सेवा निवृधित की आयु पूर्ण करने पर बम्बई में तैनात इस निदेशालय के विषणन अधि-कारी श्री एच. एन. भटनागर, दिनांक <math>30-9-81 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

सं. ए. 19025/50/81-प्र. तृ — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री शिवशंकर नंदनबार को इस निद-शालय 'मे दिनांक 12-10-81 (पूर्वाहन) अगले आवशे जारी होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-।) के रूप मे नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 नवस्बर 1981

सं. ए. 19025/47/81-प्र तृ.—-संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री टी अभ्बंडकर को इस निद्धालय में दिनांक 5-10-81 (पूर्वाट्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न साहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-।।) नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार निदोशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई 40008-5, दिनांक 16-नवम्बर 1981

संदर्भ पीए/85(9)/79-आर-4~-निव शक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र श्री कडास्त्रामी मनचरण की इस अनुसंधान केन्द्र के सिविल अभियांत्रिकी प्रभाग में अस्थायी रूप में अगले आद शों तक पूर्वाहन दिनांक 2 नवस्त्रर, 1981 से वैज्ञानिक अधिकारी एस. बी. नियुक्त करते हैं।

ए. शंताकुमारा मेनोन उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उज्जो विभाग्

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. वित्राहप्र/3(283)/76-स्थापना-1-14947—निद्दे-शक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बस्बई एतब्ब्वारा इस प्रभाग, के स्थागी लेखाकार और स्थानापन्न सहायक लेखा अधि-कारी श्री बी. एम. गणात्रा को अक्तूबर 3, 1981 के पूर्वाहन से नवस्बर 2, 1981 के अपराहन एक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में लेखा अधिकारी-11 के पढ़ पर 840-40-1000-ह रों.-40-1200 के देतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति श्री सी. आर. वालीया, लेखा अधिकारी-।। के पद पर की जा रही हैं, जो छुटुटी पर चूले गए हैं।

सं वि प्रार्ध प्र./3 (283)/76-स्थापना-114948— निव शिक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतव-ब्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखाकार श्री डी. एल. गवाणकर को अक्तूबर 3, 1981 के पूर्वाहन से नवम्म्बर 2, 1981 के अपराहन तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पव पर 650-30-740-35-880-द रो.-40-960 के वेतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. एम. गणात्रा के स्थान पर की जा रही है, जिनकी लेखां अधिकारी-।। के पद पर पदोन्नित हुई है।

> आर. व्हि. बाजपेयी सामान्य प्रकासन अधिकारी

ऋय एवं भंडार निदोशालय

बम्बई 400001, विनांक 10 नवम्बर 1981

सं..क. भ. नि./21/1 (2)/79-स्थापना 21949— कय एवं भंडार निवंशालय के निवंशक ने श्री शंकर गोपाल जम- शान्देकर स्थायी कम सहायक को दिनांक 1-6-1981 (पूर्वा.) से दिनांक 17-9-1981 (पूर्वा.) तक तदर्थ रूप से और दिनांक 17-9-1981 (पूर्वा.) से नियमित रूप से स्थानापन्न सहायक कय अधिकारी रु. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में अग्रिम आवोशों तक इसी निदंशालय में नियंक्त किया है।

मं. क. भ. नि./23/3/79 स्थापना/21957—क्य एवं भंडार निवंशालय के निवंशक ने श्रीमती एली मैथ्यूज सहायक भंडार अधिकारी की छुट्टी मंजूर हो जाने पर श्री जाहून बरीव स्थायी भंडारी को इसी निवंशालय में रुपये 650-30-740-35-810 व. रो. 35-880-40-1000-व. रो. 40-1200 के वेतन कम में स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी तदर्थ रूप में विचांक 4-5-1981 (पूर्वा.) से दिनांक 15-6-1981 (अप.) तंक नियुक्त किया है।

कें, पी. आंसफ प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

श्रणुशक्ति-323303, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं० रापिवप/भर्ती/3(2)/81-स्थ0/64—तारीख 26-10-1981 राजस्थान परमाणु विद्युत्त परियोजना के मुख्य परियोजना म्राभियन्ता इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्निलिखित अराजपित्रत तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे ग्रेड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से श्रगले श्रादेश होने तक के लिए इसी परियोजना में श्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

फ्र० नाम तथा पदनाम सं०	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं कार्यभा	रसंभालने की तारीख
सर्वश्री 1. स्रेन्द्र मोहन सिक्का, फोरमैन	वैज्ञानिक श्रधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-8-1981
2. बुज मोहन मालव, बै॰ सहायक 'सी''	n n n	1-8-1981
 विरेन्द्र कुमार गुप्ता 		3-8-1981
4. सुरजीत सिंह, फोरमैन	$\mu = \mu \stackrel{\bullet}{\longrightarrow} \mu$	1-8-1981

मोती लाल मालू, सहायक कार्मिक अधिकारी (भर्तीं) वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाण् स्तिज प्रभाग

है बराबाद-500016, दिनांक 10 नवभ्बर 1981 संप. ख. प्र./2 (3321)/81-प्रशासन—परमाणु उठर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निद्देशक श्री वी. विजय कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड एस बी का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं। श्री विजय कुमार नें 12 अक्तूबर 1981 के अपराहन से अपने पक्ष का कार्यभार छोड़ दिया है।

विनांक 13 नवम्बर 1981

मं. पं. खं. प्र.-2/3118/80-प्रशासन--परमाण् उर्जा विभाग, परमाण् विनिज प्रभाग के निर्देशक श्री आरं. के अग्र- वाल, वैज्ञानिक अधिकारी/एम बी का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

श्री आर. के. अग्रवाल ने 6 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम . एस . राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

वम्बर्ध-40008, दिनांक 10 नवम्बर 1981 मं. 05012/भ 5/स्था. प/6146—भारी पानी परियोजना के, दिशोप-कार्य-अधिकारी, श्री शिदचरन होरमा बिरुवा, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (तलचर) कार्य 19 जून, 1981 (पूर्वा.) में आगे आदोश होने सक के लिए अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के. पी. कल्याणीक ट्रटी प्रशासन अधिकारी

रिएंक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपादकम-603102, दिनांक 31 अक्तूबर 1981

सं. ए 32013/13/81— रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निद-धक ने इस केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री जी.टी. हरिबल कि 11 अगस्त, 1981 से रु. 650-30-740-35-810-ई बी-35-880-40-1000-ई बी-40-1200 के बेतनमान में अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारों/अभियंता ग्रेड एस बी के पद पर नियुक्त किया है।

> एस पदमनाभन प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मीसम विज्ञान विभाग

नइ दिल्ली-3 दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. स्था. (1) 07193---राष्ट्रपति, श्रीमती एन. जयन्ती को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर 30 सितम्बर 1981 पूर्वाहन से आगामी आदोशों तक स्थाना-पन्न रूप से नियक्त कारते हैं।

एस. क. दास

मौसम विज्ञान के अपर महानिविशक

महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्लूबर 1981

सं ए 35018/6/79-ई.।—— इस विभाग की दिनांक 26-2-81 की समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति ने आसूचना विभाग के एक अधिकारी श्री के. के. नागर की नागर विभानन विभाग के नगर विभानन सुरक्षा संगठन में सहायक निद्देशक, नागर विभानन सुरक्षा (बेतन मान रु. 1200-1800 — रुपये 300/- विशोध वेतन प्रतिमास) के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की अवधि को दिनांक 20-7-81 से आगे एक और वर्ष की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनोक 31 भ्रम्तूबर 1981

सं० ए० 32013/8/80-ई० ए०---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित[ं] ग्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से भ्रौर भ्रन्य श्रावेश होने तक उप निदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में नियमित भ्राधार पर नियुक्त किया है:---

नाम			•	तैनाती स्टशन	पदोन्नति की तारीख
— — -— र्वश्री			_	 	
प्त० भट्ट				उप नि देशक , पालम	12-2-1981
_				उप निदेशक, मद्रास	30-5-1981
•				उप निवेशकः, बम्बर्ध	2-4-1981 (श्रपराष्ट्र)
				उप निदेशक, योजना (मुख्यालय)	2-5-1981
•				उप निदेशक, हैंदराबाद एयरपोर्ट	20-5-1981
	 र्वश्री त० भट्ट ार० एत० भटनागर ० एत० बहल ० सी० दुग्गल	र्वश्री त० भट्ट १२० एन० भटनागर ० एन० बहल		 	र्वश्री स० भट्ट

सुधाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन ।

नइ विल्ली, दिनांक 13 नवस्बर 1981

सं. ए-32013/6/80-इं एस .— राष्ट्रपति ने श्री सितिन्दर सिंह को दिनांक 16-9-1981 से और अन्य आदोश होने तक क्षेत्रीय निदोशक, दिल्ली क्षेत्र, सफादरजंग एयरपोर्ट, नर्द विल्ली के कार्यालय में उप निदोशक विमान सुरक्षा (इंजी.)/क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजी.) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-32013/1/81-के एस.—सहानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम. एल. नागर को महानिदेशक नागर विमानन, रामकृष्णपूरम, शिक्ट दिल्ली के कार्यालय में दिनाक 16-9-1981 से अन्य आदेश होने तक महायक निदेशक, विमान मुरक्षा (इंजी.)/वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजी.) के पद पर नियमित आधार पर नियक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निद्शिक प्रशासन

विदाश संचार सेवा बम्बर्ड, दिनांक 9 नवम्बर 1981

विद्या संभार सेवा के महानिद्याशक

स. 1/124/81-स्था. --- एतद्व्वारा नर्ष विल्ली शासा के पर्यविक्षक श्री आसा सिंह को नियमित आधार पर 1-9-81 के पूर्वाह्न आगामी आदेशों तक उसी शासा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रवंधक नियुक्त करते हैं।

एच. एल. मलहाँत्रा उप निद्येशक (प्रशा.) कृते महानिद्येशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतीलय विभाग

गुन्दूर-4, धिनांक '3 ग्रक्तूबर 1981

(स्थापना)

मं० 11/81/(स्था०)—ं-निम्निलिखिन 'ग्रुप-बी' (राजपितत) ग्रिधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तिथि से, बार्धक्य को प्राप्त होने के कारण सेवा-निवृत्त हो गए:—

के० श्रधिकारी का नाम एवं पदनाम पं	स्थान जहां से सेवा निवृत्त हुए	सेवा निवृत्ति की तिथि (ग्रपराह्न में)
सर्वश्री	د در چی <u>کار در در در در در در در بین چی ری کا در کار دا</u> نگار دار در در در در دو در دارد کار	
1. एस० रहीमन शरीफ ग्रधीक्षक, के० उ० गु०	भ्रंगोले रेंज	31-5-1981
2. एम० ई जाम हुसैन, श्र धीक्षक, के० उ० णु०	विजाग-1, मंडल	30-6-1981
3. वाई० वी० कृष्णाराव, ग्रधीक्षक, के० उ० शु०	काकीनाडा $-\mathrm{II}$ रेंज	30-6-1981
4. एन० कामेश्वर राव भ्रधीक्षक, के० उ० णु०ँ	बोब्बीली-रैंज	30-6-1981
5. वी० ए० सूर्यनारायण मूर्ति ग्रधीक्षक, के० उ० गु०	राजमुन्दरी-मंडल	30-6-1981
s जै० लिंगम्ति, भ्रधीक्षक, के० उ० शु०	काकीनाडा-1 रेंज	31-7-1981
7. एस० राधेवेन्द्रा राव, सहा० मुख्य लेखा श्रधिकारी	मुख्यालय, गुन्दुर	31-7-1981
3. एम० एम० ए० के० हैं दरी, ग्रधीक्षक, के० उ० णु०	मेचिलि पट्टनम् रेंज	31-8-1981

सं० 12/81/(स्था०)--केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित ग्रेड के मिशकारियों, कार्यालय मधीक्षको/(व० ग्रेड) निरीक्षकों ने, जो कि कमशः प्रशासन अधिकारी/लेखाओं के परीक्षक तथा प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क 'ग्रुप गी' (राजपन्नित) मधिकारियों के पद पर नियुक्त किए गए हैं, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से श्रपने-श्रपने पदों का कार्यभार संभाल लिया है:---

ऋं ० सं०	श्रधिकारी का नाम व पदनाम	तेनाती का स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
 सर्वश्री		44 - 14 - 14 - 15 - 15 - 16 - 16 - 16 - 16 - 16 - 16	<u></u>
1. डी० मु	ब्रहमण्यम, प्रधीक्षक, के० उ० शु०	काडियाम रेंज	29-8-1981
2. एम० व	किटेश्वरा राव, ग्रधीक्षक, के० उ० शु०	भीमावरम रेंज	29-8-1981
3. एम० है	विदास, श्रधीक्षक, के० उ० गु०	मैचिलि पट्टनम रेज	31-8-1981 (पूर्वाह्न)
4. मौ०	टेपुखां, लेखा परीक्षक	मुख्यालय गुन्दुर	29-8-1981
5. ची०वं	ो० कृष्णमूर्ति प्रगा० ग्रधिकारी	गुन्ट्र र⊸मंज ल	29-8-1981 (पूर्वाह्म)

सं. 13 ⁄81-(स्थाः)—–श्री पी भिक्षोस्यरा रावः, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन श्रुल्क ''ग्रूप-बी'' (राजपत्रित), ककडियाम रोज का, द्रिनांक 7-8-81 को निधन हो गया।

> ंडी कृष्णमृर्ति समाहर्ता

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्थर 1981

सं 16/81——श्री एं के देव रायने, जो पहले कलकत्सा स्थित कॅन्द्रीय उत्पादन शुल्क एव सीमा शुल्क समाहर्तान्य पश्चिमी बंगाल में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे राजम्ब दिभाग के दिनांक 13-5-1981 के आदोश सा 81/1981 (फा. सं. ए-22012/18/81-प्रशा -।) द्वारा स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक गृनिट मे दिनांक 3-10-1981 (अपराह्न) को सहायक निदेशक के पद को कार्यभार संभान लिया।

एस बी. सरकार निद्यासक निरीक्षण

रेल मंत्रालय (रेलबे बोर्ड)

नयी दिल्ली, दिनांक 10 नवस्बर 1981

सं. 80/इर्बी/1/1500/8--सर्व-साधारण की सूचना के लिए एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 1-4-1981 स

स्ण्डमा - अकाला - पूर्णा मीटर लाईन सण्ड की मध्यं रोलवे के भूसावल मण्डल के अधिकार-क्षेत्र से निकाल कर दक्षिण मध्य रोलवे के हैं दराबाद (मी. ला.) मंडल को अन्तरित कर दिया गया है। अब हैं दराबाद (मी. ला.) मण्डल का अधिकार-क्षेत्र मण्डमा तक बढ़ आयेगा और भुसावल मण्डल को अधिकार-क्षेत्र मो तदनुक्यी कभी हो जायेगी।

यह सभायोजन परिचालिनिक क्रांबलता/प्रबन्ध नियंत्रण में सूधार लाने तथा उक्त क्षेत्र के रोल उपयोग-कर्ताओं को अधिक सन्तोष-जनक सेवाएं प्रवान करने के उद्देश्य से किया गया है।

सं. 79/ई बी/1/1500/8—सर्वसाधारण की सचना के लिए एसद्द्वारा अधिमूचित किया जाता है कि 1-10-1981 से नन्दयाल (छोड़कर) दोन काँडा (छोड़कर) मीटर लाइन खण्ड को विश्वा मण्डल के अधिकार-क्षेत्र से निकाल कर उसी रोलवे के गुन्तकल्लू मण्डल को अधिकार-क्षेत्र से विया गया है। अब गुन्तकल्लू मण्डल का अधिकार-क्षेत्र दोन-काँडा (छोड़कर) तक बढ़ जायेगा और दिजयवाड़ा मण्डल के अधिकार-क्षेत्र में तदन्हणी कमी हो जायेगी।

यह समायोजन उकत क्षेत्र मो परिचालनिक काल्यनता मो सुधार लाने के लिए रोलवे के दिन-प्रति-दिन के प्रशासन के हित मों किया गया है।

> हिस्मत सिंह स्चित्र, रोलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदोन संयुक्त सचिव।

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) काम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्दार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और

इमिजनो कीमकाल ल्यानरहरी लिमिटडे के विषय में पश्चिम बंगाल, दिनाक

सं. 11942/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील में तीन मास के अवसान पर इंमिउनो कोमिकाल ल्याबरटेरी लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस. आर. सत्यनारायण कम्पनियां का सहायक रिजस्ट्रार परिचम बंगाल

कस्पनी अधिनियम 1956 और रहमान चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5577/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्दवारा सूचना दी जाती है कि रहमान चिट फण्डम प्राइवेट लिभिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

आर. एस. सुम्बरम चिट फण्ड प्राइवेट लिमिट्रोड को विवय में

मद्रास, विनोक 7 नवम्बर 1981

सं. 5694/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आर. एस. सून्दरम चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उद्गत कम्पनी विचटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनिष्यम 1956 और मारकेटिंग एंड इन्जिनियरिंग कन्सलण्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, विनाक 7 नवम्बर 1981

मं. 5591/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि मारकेटिंग एंड इन्जिनियरिंग कन्सलण्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनिष्यम 1956 और विकासम इलेकिट्रकलस एंड इक्यूपर्यन्ट प्राइवेट लिमिटोड केविवय में

मद्रास, विनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5978/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विधाराम इलेंकिट्रकलस एंड इक्यूपमैन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टी. बी. एन. बस प्राइवेड लिमिटोंड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं 4404/560(5)81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्यारा सूचना दी जाती है कि टी. बी. एन. बस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

सतेण स्टील एंड अलाइ कास्टिंग्स लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवस्बर 1981

सं. 5311/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री रंगनातन मोटर सरवीस प्रैंबेट लिमिटोड का सतेण स्टील एण्ड आइल कास्टिंगस लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी गिधिन्यम 1956 और बराड्ये बेनिफिट चिटस प्राइवेट सिमिटेड के विवय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5286/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की गरा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना जिल्ली है कि श्री रंगनातन मोटार संस्वीस प्रैवेट लिमिटोड का मि आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी बंघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री पंगनातन मोटार सरबीस प्रैवेट लिभिटोड के विषय में

मदास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं 4119/560 (5) 81— कम्पनी अधिनियम, 1956 ही धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना ती जाती है कि श्री रंगनातन मोटार सरवीस प्रैंबंट लिमिटडे का तम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिट हो गयी है।

कम्यनी अधिनियम, 1956 ओर सुन्वर राजा बस ट्रान्सपोर्टास प्राइबेट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, विनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 6003/560/81---कम्पनी अधिनियम, 1956 की गरा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्यारा सूचना ती जाती है कि मुन्दर राजा बस ट्रान्सपोटोर्स प्राइवेट लिमिटोड का गम आज़ रिजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो ग्यी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री सेलब दिनाशगर मुक्तगन टोक्सटाइलस प्राइवेट लिम्टिंड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 3443/560 (5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण में एतक्ष्वारा सूचना दी जाती है कि श्री सेलव विनाधगर मुफगन टेकफ्टइलस ग्राहवैट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 आर रामकामार मुबीस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

मं. 5535/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना ही जाती है कि राम कुमार मूबीस लिमिटोड का नाम आज रिज-स्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कारूपी अधिनियम, 1956 और मिरान और अध्यमी प्राइथेट लिखिटोड को विषय मों

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

मं. 5109/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्दवारा सूचना दी जाती है कि मिरान और कम्पनी प्राइ देट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया ग्या है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 ऑप. ऑ इन्हों प्रिक्टरस प्राइयेट लिमिट ड के थिवय में

मद्रास, विनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5169/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्दवारा सूचना दी जाती है कि भी शक्ती प्रिन्टरस प्राइवेट लिमिट ड का नाम आज रिज-स्टर में काट दिया एया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इस्टिकोस्ट इम्फनीरिंग कम्पनी प्राइवेट किमिटोड के विषय में

म्द्रास, दिनांक 7 नगम्बर 1981

मं. 5325/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इस्टि कोस्ट इ जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटोड टेड का नाम आज् रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और

बी. सी. टी. फण्डस सिरङ्खी प्राइदेट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

मं. 5520/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतंब्द्वारा सूचना दी जाती है कि वी. सी. टी. फण्डस तिरुची प्राइबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से कांट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बारण प्राइयेंट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5476/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुस्रण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पारण प्राइवेट टिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शक्तुन्सला रोडनेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सदास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4091/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्यवरा सूचना

दी जाती है कि शकुन्तला राडियोज प्राइयेट लिमिटोड का नाम आज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मुसिरि पुलियलाम ट्रांसपोटर्स प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनाक 12 नवम्बर 1981

सं 3750/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मुसिरि पुलिक्लाम ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी विधिनियम, 1956 और विकाससभी फुअबणडीस प्राइवेट सिमिटोड के विधय में

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4401/560/81—काम्पनी अधिनिष्म, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि विजयलक्ष्मी फअवणडींस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आंज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्षत कम्पी विषटित हो गया है।

कस्पनी अभिनियम, 1956 और मनि मुरली ट्रान्संपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मदास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4468/560/81——काम्पनी जिल्लिमम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) को अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मिन मुस्ली ट्रान्सपोर्ट से प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उन्नर कम्पनी विघटित हो गयी है।

क स्पनी अधिनियम, 1956 और थेनमोनित चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटोड के विवय में

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4664/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि थेमसोक्ति चिट फण्ड प्राइवेट लिम्टिंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्मनी अधिनियम, 1956 और यू. डि. यह्न, बससर्वीस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में महास, दिनांक 12 नवस्वर 1981

सं. 4775/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि यू. टि. यस्. बसस्वीत प्राइबंट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया के और जन्म कम्पनी विधिटित हो गुरी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और पान्डियन फर्टिलाहजर्स और आइल मिल्स प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, विनांक.12 नवस्बर 1981

सं 4860/560/81—कम्पनी अधिनियमं, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पान्डियन फर्टिलाइजर्स और आइल मिल्स प्राइवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और

चन्ड्रा प्रसाब ट्रान्सपोर्ट्स अण्ड ए'णेन्सी प्राहबंट लिमिटंड के बिच्य में

मद्रास, विनांक 12 नव्यम्बर 1981

मं. 4104 560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्व्यारा सूचना धी जाती है कि चन्ड्रा प्रसाद ट्रान्सफोर्ट अण्ड ए जन्सी प्राइवेट लिमि-टेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

काश्यनी अधिनियम, 1956 और नवज्ञक्ति कमर्जियल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं 4768/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना की आती है कि नवशिक्त कमिशीयल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विध-टित हो गयी है।

इ. सलवराज

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडू

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मोतीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 560/421—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मोतीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्णनी अधिनियम, 1956 और मौसर्स गुजरात पाइबर ग्लास मेन्यूफीक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट सिमिटोड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 560/2716—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारील से तीन मास के अवसान पर मेंसर्स गुजरात फाइबर ग्लास मेन्युफ क्वरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिट का नाम इसके प्रतिकर्ल कारण दिश्ति न किया गया तो रिअस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

िन्ह. वाय राणे सहायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद प्रकृप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, बंबर्द बंबर्दो, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निद[े]श सं. अर्जन इलाका-।।/3175-25/81-82-----थनः मुभ्के, संतोष बत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/~ हपए से अधिक है

और जिसकी सं. एम. सं. 270, प्लाट सं. 1 और 2, एम. मं. 245 ब नया एस. सं. 270 हिस्सा मं. 244 का भाग क. 3 और एम. सं. 245 ब और सी. टी. एम. सं. ब/1121 हो तथा जो संट जान बाप्टीस्टा पथ बान्दरा मो स्थित हो (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ष मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तारीस 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दां(यह में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर'या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— 3—356 GI/81 श्रीमती फातिमा बेगम वाईफ आफ मोहमद अफजल लान ।

(अन्तरक)

- 2 . बान्दरा टाई डबेज को-ओपर टिव हाउसिंग सोसाइटी । (अन्तरिती)
- अन्तरकः फातिमाबेगम वाईफ आफ मोहमद अफजल-लान ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पद्भित हैं)

- श्रीमती फातिमा बेगम बाइफ आफ मोहमद अफजल-स्वान ।
 - (बह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके विश्वित सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पत्तियों में से किसी ब्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों ख्रौर पदों का, जो **एक्**त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं खर्य तथा, जो उस खब्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1362/1980 बम्बर्घ रिजिस्ट्रार द्वारा विसांक 23-3-1981 को रिजिस्टर्ड किया गया ह³।

> संतोष दत्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, बंबर्ड्स

तारीय : 5-11-81

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1083---यतः म्फो, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-27 है तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इससे उबापद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

क्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् ः——

- श्रीमती स्वराज पाटनी, क्वार्टर नं. 2, महारानी कालेज, जयपूर ।
 (अन्तरक)
- श्री टिक्का दास, 413ए, आदर्श नगर, जयार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—— इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए/27 मोती डूंसगरी एकसटौंगन स्कीम, जयपूर जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा कम संख्या 586 दिनांक 13-3-81 पर पंजिबद्ध विकय एक में और विस्तृत ऋप से विवरणित हैं।

> एस. एल. **चौहा**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 2 नवम्बर, 81

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जयप्र

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदोष सं. राज/महा आ. अर्जन/1077—स्तः मूक्ते, एम. एल. चौहान,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंग्ति जिमका उचित्र ज्ञानार मूल्य 25,000/- ६० में धिक है

और जिसकी सं. द्कान नं. 2-ए है तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 2-5-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिह है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में बास्तिबक सन्य से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण ये पुर्व किसी प्राय की बाबन उक्त प्राध-नियम अप्रधीन कर देने अध्यतरक के दायि**स्य में** कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, श्रार्थक कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,में, खक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उपभारा (1) के अभ्रोन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :--- श्री शम्भू दयाल पुत्र बिहारी लाल ग्या, 5 क 6, जवाहर नगर, जयप्र।

(अन्तरक)

 श्रीमती लिलता दंवी पत्नी कृष्ण किशार खन्ना, सेठी कालांनी, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोशी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं. 2 ए अर्जुन लाल मेठी कालांनी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1054 दिनांक 2-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. **थौहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, जयपुर

ता्रीस : 2 नवम्बर, 81

प्रकप धाई•टी•इन•एस•--

आथकर **विधिनयन, 1961 (1961 का 43**) की धारा **269 व (1) के ग्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदोश सं. राज/महा आ. अर्जन/1074—स्तः मुक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्रधिकारी की नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 5 है तथा जो जयपुर मं स्थित है, (और इसमे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर मं, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 25-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है धौर मुझे बढ़ विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल के पम्बह प्रतिक्षत से प्रधिक है घौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीद ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पामा ग्रमा प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्ध्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में बास्तविक कप से कथित मही किया वया है। स्ट

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आत्र या किसी घन या अस्थ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

भता अव, उक्त भिवित्यम की घारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री दिलीप सिंह नाथाश्वत पुत्र श्री मानवाता सिंह मुख्यारआम अर्जुन सिंह पुत्र श्री मानवाता सिंह, देवी सदन, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्सरक)

 श्री पदम सिंह पृत्र श्री अमोलक सिंह वर्मा निवासी सिविल लाइन, कोटा ।

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ।---

- (क) इप पूजना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तस्तेंबंधी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रहोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यद्दी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त धिधिनयम' के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रद्धाय में विया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं. 5 की भूमि 505 वर्ग गज, सी-स्कीम, चौमू हाउस, जयपुर को उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 709 दिनांक 25-3-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एस . एल . **चहा**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज , जयपुर

तारील : 2 नवम्बर, 81

प्ररूप शाह . टी . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदंश मं. राज/सहा आ. अर्जन/1076—ै-यतः मुक्ते, एम. एल. चाँहान,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसमे परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-4 है तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री विनोद कुमार पृत्र त्रिलोकीनाथ खुराना मकान नं 149, पंजाब हाउर्शिंग बांड कालोनी, भक्तावाला अमृतसर।

(अन्तरक)

श्रीमती कृष्णा खुराना पत्नी विश्वदेवर नाथ खुराना,
 367 राजापार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूषण्ड संख्या ए-4, पर बनी हाई द्कान व बैममेन्ट लैण्ड एरिया, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 761 दिनांक 31-3-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम . एल . चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , जयपुर

तारीस : 2 नवम्बर, 81

प्ररूप बाह्रं. टी. एन. एस. ----

कायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदश सं. राज /महा आ अर्जन/1075--यन: मुक्ते,

एम. एल. चौहान,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खुक अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. ए-4 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 31-3-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (फ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में शुस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बह्रात बन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण 🖹, जै, जन्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विनोद क्मार खुराना पृत्र श्री त्रिलोकीनाथ खुराना मकान नं. 149, पंजाब हाउजिसंग बोर्ड कालोनी, भुक्तावरलां, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकल खुराना पृत्र श्री विश्वेशर नाथ (नाबालिंग) जरिए श्रीमती कृष्णा ख्राना (संरक्षिका), मकान नं 367, राजापार्क, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में स किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य अवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भुखण्ड संख्या ए-4, जयन्ती मार्केट, एम. आई. रांड, जयपूर का ग्राउन्ड फ्लोर एवं फर्स्ट फ्लोर जो उप पंजियक, जयपूर बुबारा क्रम संख्या 762 दिनांक 31-3-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम. एल. **चौहा**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीय : 2-11-81

प्ररूप आर्डा० टी० एन० एस० 🖚

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपर

जयप्र, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदोश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1084——यतः म्भ्रे, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 3 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबस्थ अन्मुची में और पूर्ण म्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20 अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अमृतुर्ण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिहित व्यक्तियों मृश्तिः— (1) श्री जनरल हिम्मत सिंह, 17 सिविल लार्डन्स, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री विरोन्द्र सिंह, प्लाट नं. 3, बंगला नं. 17, सिविल लाईन्स, जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी क्यंत्रितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांत्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रम लिलित वे किए जा मकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 3, बंगला नं. 17, सिविल लाईन्स, अयप्र जो उप पंजियक, जयप्र द्वारा कम संख्या 929, दिनांक 20-4~ 81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित नी

> एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 2-11-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयप्र

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आविश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1098—यनः म्फे, एम. एल. चीहान,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त स्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सम्मा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-इपए से अधिक है

और जिसंकी मं. प्लाट नं. 3-ए हैं, तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कीर्यालय, जयप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत निमालिखित उद्देश्य से उनत प्रम्लरण लिखिन म वास्तिक रूप से कियन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स तुई किसी आय की बाबत खकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने यः उससे उचने में मुविधा के लिए; और/या
 - (ल) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धिधिनयम, या धनकर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्दा दोत्री भण्डारी पत्ति श्री स्मोर मल भण्डारी, मथ्रा हाउस, मनोज सिनोमा के सामने, कोटा (राज.)।

(अंतरक)

(2) श्री शान्ति क्यार मेठी एवं श्रीमती कामिनी सेठी, मेठी भवन, हन्मानजी का राम्ता, जयपूर।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यासरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो छक्त अधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 3(ए), क्षेत्रफल 750 वर्ग गज जो भवानी सिंह मार्ग, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर व्वारा ऋम् संख्या 1711, दिनांक 8-7-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम. एल. **चौहा**न **झुक्सम् प्राधि**कारी सहायक आयकार आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारी**स** : 2-11-81

प्ररूप वार्ष. टी.-प्तृ. प्स.-----भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 24 अक्सूबर 1981

निद^{ेश}ण सं. 367/81-82—स्तः मुभ्ते, डा. वि. एन. लिसतक मार राव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सि. सं. नंबर 162/36 है, तथा ओ वार्ड नंबर तीन, दोषपंड नगर, हुबिल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबिल, अंडर डाक्सूमेंट नंबर 2719 दिनाक 16-3-1981 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्स्रे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उद्देष्ट से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिन्ध; बीर्थ/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या बच्च आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

(1). (1) श्री ग्रासिद्दोक विरुपाक्षण्या कारिण्डि, (2) श्री उमेश विरुपाक्षण्या करिंड, ब्याहट्टि प्लोट, दोशपांडी नगर, हाबलि ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी एस कुरडेकर, क्येरओफ श्री गुरुराघवें का ज्वेलरी मार्ट, आर के गल्लि, हुबली । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हुबलि शहर, देशपांडें नगर, वार्ड नं तीन में स्थित 442~8/9 स्क्येयर यार्ड खूला जगह, जिसका सि . स . नंबर $\mathbf{E}^{\mathbf{1}}~162/36$ ।

डा. वी. एन. लिलितक मार राव , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलोर

तारीख : 24-10-1981

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रॉज, बॉगलोर

बेंगलोर, दिनांक 24 अक्तूबर 1981

निर्दोध सं. सी. आर. 62/29869/80-81/ए. क्यू. बी.—∼यतः मुभ्ते, डा. वी. एन. ललितक भार राव, **बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / र_ि. से अधिक हैं। और जिसकी सं प्रिमेसिस सं 10 है, तथा जो सेन्ट जान रोड, सिविल स्टोशन, बेंगलोर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, शिवाजी नगर, बींगलोर मीं रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3-3-1981 कारे पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है 🐎

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा-के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री आई. ए. पटोल, डा. ए. एम. पटोल के पुत्र सं. 3-6-326, बशीर बाग, हौदराबाद (ए.पी.)। (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स राजाराजंदवरी एण्ड को पार्ट नर्स, (1) श्री ए जे पद्मनाभन, (2) श्री ए जे लोगनाथन, दोनों श्री ए सी जानकीराम मोदिलयार के पृत्र है, सं अ 38, मेन्ट जान्म रोड, बोंगलोर-42। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां क्त व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में पारिभाषिक हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं. 4258/80-81 ता. 3-3-1981)

घर सम्पत्ती है जिसका प्रिमेसिस सं. 10, जिसमें प्राना न्विल्डिंग, कांपोण्ड वाल और साली जगह भी है।

सन्त जान गोड, सिविल स्टोशन, बोंगलोर-42। चकवंदी हैं।

- प्. में --- तोप्प मौदिलियार गार्डन
- प. में -- लक्ष्मी थियटर
- उ. में --तोप्पा मोदलियार चारटीस को प्यासेज
- व. में --अन्तस्वामी मोदलीयाँर रोड

डा. वी. एन. लिलितक मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बोंगलोर

तारील : 24-10-1981

महिर:

प्रकृष मार्ह्-टी.एन्.एस्.,-------

आयुक्त र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यां ज्या सहायक बायक र जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 अक्त्बर 1981

निवर्षेश सं. ए. सी. 59/रंज-4 /कल/81-82--यतः मभ्ते, के. सिन्हा.

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 रु. से वृश्विक हैं

और जिसकी मं. 95 है, तथा जो शम्म हालदार लेन, हवड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1981

की पूर्वीक्त संपरित् के अजित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मुभापूर्वीकत संपरित का उर्जित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जलार जा से हुए किसी जाय की बाबत, उजता ज़ी पृत्तियम के जुभी त कर दोने के जुन्तरक के वासित्य में कमी कहने ना उससे बुचने में स्विधा के [स्प] जोड/बा
- (क) एसी किसी अपूर्व न किसी भूत वा बन्ध बाहित्वी कार्य है। जिल्ही आउतीव बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भूतकड व्याप्तियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में मुस्तिम के स्प्रा

(1) श्री गौर चांव रक्षित।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता रानी रौक्षत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपरितृ के अर्थन के जिल कार्यवाहियां कुरता क्रुंगी

उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी नार्बन्ध---

- (क) इस स्वा के उत्पाप में प्रकादन की तारीं हैं।
 45 दिन की वनिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, ने शीतर प्रविका
 व्यक्तियों में से दिश्री व्यक्तिया द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जबत स्थावर संपरित में हित्बक्ध किसी बुद्ध व्यक्ति दुवारा मुख्येहस्ताक्ष्यों के पास मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उपज अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिशा गथा है।

अनुसूची

जमीन का माप 3क. 2व.फा. 95, शम्भू हालदार लेन पर स्थित हो। दस्ताकेज नं.--1981 का 1306।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी **तहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)** 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, अर्जन रोज-4, कलकत्ता-16

तारीख : 23-10-1981

से मधिक है

प्रकप चाई• टी• एन• एस•---

ष्णायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज भूवनेष्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निर्दोश सं 6/आ ए सी /ए आर /भूबनेश्वूर/81-82---अतः मुक्ते, पि. के मिश्रः, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूहब 25,000/- रुपये

और जिसकी सं 1155 है, तथा जो भवनेश्वर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिन्दूरिया, नयागढ़, भुवनेश्वर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 11-3-1981

को पूर्त्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितीं) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित छहेग्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का.11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वित्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः प्रव, उन्त भिवित्यम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, चक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निजित स्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री गोपिनाथ राउतरा पिता जगबन्ध राउतरा, ग्रा. धाबलाई, नयागड़। (बन्तरक)
- (2) श्रीमती सूक्षीलाधेन मिश्र, पंतिन श्री वैकन्थनाथृ मिश्र, ग्रा. जगन्नाथपूर, चाहाली, नयागड़, पूरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्रत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो की भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अंग्रीहस्ताक्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरवहीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रवि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्य होगा, जो इस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा चीन्ड्रिया, पि. एस. नं. 476, खाता नं. 812, प्लाट नं. 2202 एरिया ए. -35, मकाच का साथ, नयागड़ में।

पि. के. मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज, भूबनेश्यर

तारीख : 4-11-1981

मोहर 😗

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, भुवनश्वर

भूवनेश्वर, विनांक 24 अक्तूबर 1981

निर्देश सं 4/81-82/आई ए. सी./ए. आर./भूव-नश्वर—अतः मुभे, पि. के. मिश्र, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के घधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, असका उचिन बाजार मृह्य 25,000/- व्यये से अधिक है

और जिसकी सं. 2323 है, तथा जो प्लाट नं. 5ई मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूवनेश्वर मो, भारतीय रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 3-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह बिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भक्षीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में की करने या उससे अवन में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिष्ठित्रयम, या घन-कर श्रिष्ठित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए .या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अन्त प्रक्रिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:---

- (1) श्री हरेकृष्ण मोहान्दी पि. ग्राचरण मोहान्दी, ग्राम दारुठन्गा, चण्डका, जिला पूरी, उड़िसा। (अन्तरक)ः
- (2) श्रीमती बिनोदिनी घलबिसोई, स्वामी कोशवसन्द्र घलबिसोई, ग्राम गलदोलमुल, पोस्ट दालमल, जिला ढोन्कानाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करण पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन की पत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोवल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्व**ब्होकरणः ---इ**समें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उबत 'अधिनियम के अध्याय 20∘क में परिभाषित हैं, नहीं धर्य होगा जी उस अध्याय में दिया ' गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 5ई, डीड नं . 822, कल्पना एरिया भुवनेश्वर ।

पि. के मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भवनोध्यर

तारील : 24-10-1981

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्त्बर 1981

निद्दोश नं. पि. आर. नं. 1208/एक्थी./23-।।/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, **आयकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मुल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं" और जिसकी सं नं 128/1/2 (भाग) है, तथा जो नाबोई गांव, गांधीनगर जिला में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, दिनांक 31-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँकत सम्परित का उचित बाजार, मुल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्रय पाया गया प्रतिपाल, निम्नीलिबित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्रीमती बार्च जीवकोरबेन जोरदास, नावाकोबा तुलुका, गांधीनगर।
 - (अन्सरक)
- (2) (1) श्री आनन्द एस साराशाई, दी रीद्रीट, शाही बाग, अहमदाबाद-380004।
 - (2) श्रीश्रीमती आशा साराभाई, दी रीट्रीट, शाही बाग, अहमदाबाद-380004।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दां का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूला जिमन जो सर्वों नं. 128/1/2 (भाग), गांव नाबोई, गांधीनगर जिला में स्थित है, जो बिक्री खाता नं. 500 पर संपूर्ण विणत में, गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारील 31-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-1981

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस •---

आयकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक-आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1431/अर्जन रॉज-23-।/81-82---अतः मुभ्ने, जी. सी. गर्ग, **श्रायकर प्रधिनियम, 19**61 (1**9**61 का 43) (जिसे इसमें . इसके परचात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मांजार मुरुष 25,000/- क्यमे से प्रधिक है और जिसकी सं. आर. एस. नं. 14 पैकी प्लाट नं. 61 और 76 है, तथा जो एच. नं. 814, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-81 को पूर्वीक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के . दुश्यमान प्रतिफर्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्णास करने का कारण है कि यथापृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमात प्रतिफल से, ऐसे दुस्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से श्रक्षिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित महीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/था
 - (भ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अभ्य भ्रास्तयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमृतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) श्री ओत्तनदास शामनदास ख्बचंदानी, सुमरे क्लब गड, जामनगर। (अन्तरक)
- (1) श्री प्रज्ञषोत्तम दामजीभाई सुदारिया, रणजीत नगर।
 ब्लाक नं. एफ/3, फ्लेट नं. 465, जामनगर,
 (2) श्री अरजनभाई जीवनभाई कानानी, 12, हाटकेश्वर मोसाइटी, जामनगर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तें स्थावर सम्मत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुलाबनगर के नजदीक मील्कत सड़ी है, जिसका आर. एस. नं. 14 पैकी प्लाट नं. 61 से 76, वार्ड नं. 12, एच. नं. 814, जिसका काल क्षेत्रफल 11550 वर्ग फिट है और जिसका निर्माण कार्य 372 वर्ग मीटर में है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीसत नं. 648/3-3-1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंजना , अहमदाबाद

तारीख : 3-11-1981

माहर:

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

'अहमदाबांद, दिनांक 4 नवम्बर 1981 .

निर्दोश नं पी. आर. नं 1432/अर्जन रॉज 23-1/81-82---अतः म्भे, जी. सी. गर्ग, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

और जिसकी सं मर्वे नं 137, लीमडा लेन हैं, तथा जो कांग्रेस हाउस के सामने, जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पखह प्रतिशत प्रक्षिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के शिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विध्या जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित स्युप्तितयों अर्थात्:-- (1) श्री चंद्रकान्त अमृतलाल दोशी, कर्ता और मैनेजर चंद्रकान्त अमृतलाल दोशी, मृख्तारनामा श्रीमती चंद्रवतीबेन चंद्रकान्त और हिमांश् चंद्रकान्त, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमंती प्रवीनाबेन होमत्तसाल भाषानी, भाषानी मेन्शन, गुरुद्वार रोड, जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखान में किए जा सर्केंगे।

स्पवसीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रक्षितियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिकाशित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

मृस्ची

खुनी जमीन का प्लाट जो लीमडा लेन, जानगर में स्थित है, शीट नं 11, सबों नं 137 पैकी जिसका कुल क्षेत्रफलू 4340 वर्ग फिट, 403.19 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं 1015/26-3-1981 में दिया गुया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख: 4-11-1981

मोहर

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

आराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदादाद

अहमदाबाद, विनांक 4 नवम्बर 1981

निदांश नं. पी. आर. नं. 1435 अर्जन राज 23-1/ 81-82--अतः म्भे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 108/1 प्लाट नं. 12 है तथा जो जामनगर में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), जीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर, सा र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर 16-3-81

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कन ही रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह रिश्वास करने का कारण है कि वथाएर्वोक्त सम्पन्ति का उधित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एमें, इत्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्रातिकों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय राटा गया प्रीतिकाल निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गए। धा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निस्निलिखित व्यक्तियमें अर्थात् :--- 5—356GI/8।

 श्री नरांत्तम लाधु शार की अंगर र भी अंग किय बेलजी दोपीया हान्तर शला जामनगर ।

(अन्तरक)

 श्री नाथा बजाशी श्री रामशी मेरामन गांव चुर ताल्हा-कल्याणपुर जिला-जामनगर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारों करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध्य मा तत्मधान्थी व्यक्ति उम्रों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्य का मा समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वाक्त करिना में से किसी विश्व द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफाल 747-85 वर्ग मीटर है तथा जो एरोडाम रोड के नजदीक है, जिसका रोबन्य एस नं 108/1 चौफा पलाट नं 12 है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन जाम-नगर रिजम्डीक ता बिकीस्त ने 816/16-3-1981 में दिया गया है।

जी. नी. गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोन-।, अहमदाबाद

ता्रील : 4-11-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र³ज-। , अहमदाबाद अहमदाबाद , दिनांक 4 नवस्थर 1981

पी. आर. नं. 1433 अर्जन र^नज 23-।/ 81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आपकार अधिनियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'प्रश्न प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 2.69 घ के प्रतीन सक्षम पाद्यकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र से सिधक है और जिसकी सं. सर्वों नं. 471-472 पैको प्लाट नं. 17, 18, 23 है। तथा जो 27 से 31 राजकाट में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय , राजकोट मे रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर 25-3-81 को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुक्षे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती(अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या भ्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थालु:---

- 1 में भपतराय शीवराम के भागीदार
 - (1) श्री भूपतराय शीवराम व्यास
 - (2) श्री मगैनलाल पी. जोशी
 - (3) श्री जयंत बी व्यास
 - (3) श्री जयंत बी व्यास
 - (4) श्री भूपतराय मगनलाल जोशी 39, प्रहलाद प्लाट राजकाट।

(अन्तरक)

2. अराधना को. ओ. हा. सां. लिमिटोड प्रमुख -श्री भल्लाभाई के. चावडा 3, नवा घोराला, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 6011 वर्ग यार्ड है तथा जो राजकोट में स्थित है। जिसका सर्वे नंबर 471-472 पैकी प्लाट नं. 17, 18, 23, 27, 28, 29, 30 और 31 है तथा पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रोकर्सा बिकियत नं. 2049/25-3-1981 से विया गया है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , अहमदाबाद

तारीच : 4-11-81

प्र**रूप ग्राई० टी०** एन० एस०----

आथकर प्रिव्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-। , अहमदाबह्द अहमदाबाद , दिनांक 4 नवम्बर 1981

निद्योश नं. पी. आर. नं. 1434 अर्जन रॉज 23-।/ 8।-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा १६०१- व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं. आर. एस. नं. 108/1 पैकी प्लाट नं. 8 है तथा जो जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16 के अधीन 16-3-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और प्रन्तर (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-भरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्।---

- श्री नाथालाल मेयजी शाह की ओर से श्री अमरतलाल घेदजी दाँधिया हुन्नर शाला, जामनगर। (अन्तरक)
- 2. श्री राम वाद् श्री अरजना वाद् गांव-चूर, तालूका-कल्याणुपुर जिला-जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।.

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय प दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 702-32 वर्ग मीटर है तथा जिसका रविन्यु सर्वे नं 108/1 पैकी प्लाट नं 8 और जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकिश्चित नं 815/16-3-1981 में विया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

ता्रीखः: 4-11-81

परूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयुवत (निरीक्षण)
अअन रोजनाः, अहमदाजाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवस्वर 1981

निद्योष नं. पी. जार. नं. 1209/एक्बी/23-11/81-82 --अतः मुक्त, जी. पी. गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

अरि जिसर्का सं. एस. मं. 70 ही तथा जा बालाव, बांच मा मिथत हा (और उसमें उपारद्ध अनुसूची मी और पूर्ण रूप में वॉणाव हो। अपारद्ध आंधाना के कार्यालय, बांच मो र्याणस्त्रांकरण आधानस्य, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 25-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित् व्यक्तियों, न्यूनि, हिन्न

- श्री वाली अबाम बागस, बोलाय 1, बांचा । (अन्तरक)
- 2. श्री दया भाई ज्ञानके भाई पटोल, 52 कपूनजे सोसाइटी, अलकापुरी, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सुर्फात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूत्रन की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हित- बद्ध कि भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वेकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमान जा एस. नं. 70, बोलाव ब्रां**च म**ें स्थित **ह**ै जो यथा विधि तारीख 25-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारील : 6-11-81